पवार को शुगर प्रोडक्शन घटने की आशंका

पीटीआई *नई दिल्ली*

एग्रीकल्चर मिनिस्टर शरद पवार ने बुधवार को कहा कि अक्टूबर से शुरू होने वाले अगले शुगर मार्केटिंग ईयर में शुगर प्रोडक्शन लगातार दूसरे साल घटकर 2.4 करोड़ टन रह सकता है। इसकी वजह महाराष्ट्र में गन्ने की कम पैदावार होने की आशंका है।

2011-12 (सितंबर-अक्टूबर सीजन) में देश में 2.6 करोड़ टन शुगर प्रोडक्शन हुआ था। इस साल इसके 2.45-2.5 करोड़ टन रहने की उम्मीद है। पवार ने बताया, 'इस साल हमें शुगर प्रोडक्शन 2.45 करोड़ टन रहने की उम्मीद है। अगले साल यह 2.4 करोड़ टन रह सकता है।'

उन्होंने कहा कि देश में चीनी का सबसे अधिक उत्पादन करने वाले महाराष्ट्र में गन्ने की बुआई अभी शुरू नहीं हुई है। राज्य में लगातार दूसरे साल कम बारिश होने से सरकार ने पीने के लिए पानी बचाने का फैसला किया है और फसलों की इसकी सप्लाई नहीं होगी।

शरद पवार ने कहा कि अगले शुगर मार्केटिंग सीजन में चीनी का उत्पादन लगातार दूसरे साल घटकर 2.4 करोड़ टन रह सकता है

हाल ही में फूड मिनिस्टर के वी थॉमस ने कहा था कि चीनी का प्रोडक्शन बढ़कर 2.5 करोड़ टन हो सकता है

पवार ने कहा कि मौजूदा मार्केटिंग ईयर में महाराष्ट्र और कर्नाटक को छोड़कर दूसरे राज्यों में शुगर प्रोडक्शन अच्छा रहेगा। महाराष्ट्र में गन्ने की फसल का बड़ा हिस्सा चारे के तौर पर इस्तेमाल किए जाने की वजह से चीनी के उत्पादन में कमी आने की आशंका है।

देश में शुगर प्रोडक्शन के लिहाज से उत्तर प्रदेश दूसरे नंबर पर है। इस साल राज्य में गन्ने की अच्छी पैदावार के चलते चीनी का उत्पादन बढ़ सकता है। हाल ही में फूड मिनिस्टर के वी थॉमस ने कहा था कि चीनी का प्रोडक्शन बढ़कर 2.5 करोड़ टन हो सकता है। इससे पहले यह अनुमान 2.45 करोड़ टन का था। इस साल मिलों ने अभी तक 1.88 करोड़ टन चीनी तैयार की है। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, 50 मिलों ने पेराई का काम बंद कर दिया है।

The Economic Times (Hindi)
14-3-13